

Modular “C” मॉड्यूलर
another free font from “Google”

AVATAR ऐवाटार

Bungalow बंगला | Garam Masala गरम मसाला

Pashmina पश्मीना

अमेज़िंग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतरिक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्रा के बाद मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरो के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख दिया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाद जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर दिखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओ-एम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला दुनिया का चौथा मुल्क बना दिया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1 इसरो के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगल और मार्स आर्बिटर मिशन के मिलन को ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए सीमित साधनों के बावजूद इस कामयाबी के लिए वैज्ञानिकों का अभिनंदन किया। मोदी ने कहा कि विषमताएं हमारे साथ रही हैं और मंगल के 51

मिशनों में से 21 मिशन ही सफल हुए हैं। लेकिन हम सफल रहे। खुशी से फूले नहीं समा रहे प्रधानमंत्री ने इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन की पीठ थपथपाकर उन्हें बधाई दी। बीते साल 5 नवंबर को अपने सफर पर खाना हुए मंगलयान के मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने के 12 मिनट और 28 सेकंड बाद इससे संकेत मिलने शुरू हो गए। नासा के केनबरा और गोल्डस्टोन स्थित डीप स्पेस नेटवर्क स्टेशन की मदद से संकेतों को बेंगलूर भेजा गया। मंगलयान अपने उपकरणों के साथ करीब छह माह तक मंगल की दीर्घवृत्ताकार कक्षा में घूमता रहेगा। जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतरिक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 At Gorakhpur, he developed a friendship with the bookseller Buddhi Lal, who allowed him to borrow novels for reading, in exchange for selling exam cram

books at the school. Premchand was an enthusiastic reader of classics in other languages, and translated several of these works in Hindi. महीने की यात्रा के बाद मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरो के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख दिया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाद जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर दिखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला दुनिया का चौथा मुल्क बना दिया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। इसरो के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगल और मार्स आर्बिटर मिशन के मिलन को ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए सीमित साधनों के बावजूद इस कामयाबी के लिए वैज्ञानिकों का अभिनंदन किया। मोदी ने कहा कि विषमताएं

हमारे साथ रही हैं और मंगल के मिशन में से मिशन ही सफल हुए हैं। लेकिन हम सफल रहे। खुशी से फूले नहीं समा रहे प्रधानमंत्री ने इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन की पीठ थपथपाकर उन्हें बधाई दी। बीते साल नवंबर को अपने सफर पर खाना हुए मंगलयान के मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने के 12 मिनट और सेकंड बाद इससे संकेत मिलने शुरू हो गए। नासा के केनबरा और गोल्डस्टोन स्थित डीप स्पेस नेटवर्क स्टेशन की मदद से संकेतों को बेंगलूर भेजा गया। मंगलयान अपने उपकरणों के साथ करीब छह माह तक मंगल की दीर्घवृत्ताकार कक्षा में घूमता रहेगा।

Modular "C"

Eduardo Rodríguez Tunni

October 21, 2014 10:18 AM

अक्टूबर २१, २०१४ १०:१८ पूर्वाह्न